BA Part II (H)
Paper III

Dr. Chiranjeev Kumar Thakur
Assistant Professor (GT)
Department of Sociology
VSJ College Rajnagar

Lecture V

(वर्गीकरण)

जनजाति (Tribes) ⇒ 2011 की जनगणना के अनुसार भारत में जनजातियों की जनसंख्या 10.43 करोड़ है। जनजाति जनसंख्या देश की कुल आबादी की 8.6% है। जनजाति पूरे भारत वर्ष में फैले हुए हैं। भौगोलिक स्थिति को देखते हुए भारत की जनजातियों को पांच भागों में विभाजित किया जा सकता है -

1) पूर्वोत्तर क्षेत्र - इस क्षेत्र में लिम्बू लेपचा, आका, दफला अबलमोरी, रामा, गारो, खासी, नागा, कुकी, चकमा लुसाई, गुड आदि प्रमुख जनजातियां हैं।

2) मध्य क्षेत्र - इस क्षेत्र में गोंड, कोंध, खड़िया, उरांव मुंडा, संथाल, हो, बिरहोर, आदि।

3) दक्षिण क्षेत्र - इस क्षेत्र में चेन्चु, टोडा, परियां कादर, कनीदर, कुरावन आदि।

4) पश्चिम क्षेत्र ⇒ इस क्षेत्र में भील प्रमुख जनजाति है।

5) द्वीप समूह क्षेत्र ⇒ अंडमानी, जरवा, सेंथनेल एवं ओंगे जनजाति प्रमुख हैं।

2020-8-18 08:27

भौगोलिक वितरण की दृष्टि से L.P. विद्यार्थी ने जनजातीय लोगों को चार क्षेत्रों में बाटा है।

a) हिमालियन क्षेत्र - जिसमें जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश (भोट, गुज्जर, गादी) उत्तर प्रदेश का तराई क्षेत्र (थारू) असम (मिजो, गारो, खासी), मेघालय, नागालैंड (नागा) मणिपुर (नागा) और त्रिपुरा (त्रिपुरी)।

b) मध्य भारत क्षेत्र - जिसमें पश्चिम बंगाल बिहार (संथाल, मुंडा, ओरांव और हो) उड़ीसा (खोंड, गोंड)।

(c) पश्चिमी भारत क्षेत्र - जिसमें राजस्थान (भील, मीणा गरासिया) गुजरात (भील, दुबला, धोडिया) और महाराष्ट्र (भील, कोली, महादेव कोली)।

(d) दक्षिण भारत क्षेत्र आन्ध्र प्रदेश (गोंड, कोया, कोंडा डोरा) कर्नाटक (सोलगा मराठी) तमिलनाडु (इरुला टोडा) केरल (पुलयन, पनियन) और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह (अंडमानी निकोबारी) शामिल है।

2020-8-18 08:27